EDII

Dainik Chitrakoot Jyoti

15 December, 2021

ईडीआईआई युवाओं में स्टार्टअप अवेयरनेस हेतु विभिन्न प्रोग्राम करेगा

चित्रकूट ज्योति न्यूज

भोपाल। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ल ने मध्य प्रदेश हेतु विभिन्न उद्यमिता की परियोजनाओ पर चर्चा किया, उन्होंने बताया कि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद, भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह संस्थान शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, राष्ट्रीय और अंतर-राष्ट्रीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के क्षेत्र में एक नेशनल रिसोर्स आर्गेनाइजेशन है। ईडीआईआई का प्रधान कार्यालय गांधी नगर, गुजरात में है जबकि मध्य प्रदेश में भोपाल में क्षेत्रीय कार्यालय है जहाँ से राज्य की उधमित्ता की विभिन्न परियोजनाओ को संचालित किया जाता है। ईडीआईआई मध्य प्रदेश में कई स्थानों पर हस्तशिल्प और हथकरघा क्षेत्रों में व्यापक विकास कार्य हेतु प्रयत्नशील है जिसमे चंदेरी और महेश्वर में हथकरघा, बैतूल में टेराकोट्टा और ग्वालियर में कालीन प्रमुख हैं। ईडीआईआई, क्लस्टर विकास में कई वर्षो के अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता के साथ मध्य प्रदेश के लोगों को विशेष हथकरघा को बढ़ावा देने के लिए इन संसाधनों और कौशल विकास उद्यमों का उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए राज्य सरकार, उद्योग और अन्य सहायता संस्थानों के साथ हाथ से काम करने हेतु तत्पर है, जिनमे हस्तनिर्मित उत्पाद, कृषि, बागवानी और वन आधारित उत्पाद, इकोटूरिज्म, हर्बल वेलनेस उत्पाद प्रमुख हैं। शैक्षणिक क्षेत्र में ईडीआईआई डीएसटी, भारत सरकार, के सहयोग से विज्ञान और प्रौद्योगिकी पृष्ठभूमि के उद्यमियों को विकसित करने और फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (संकाय विकास कार्यक्रम) के माध्यम से संसाधन विकसित कर रहा है। इसी दिशा में ईडीआईआई ने मध्य प्रदेश के प्रमुख संस्थानों जैसे मध्य प्रदेश कौशल विकास मिशन, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर और राज्य सरकार के साथ कई अन्य एमओयू (समझौता ज्ञापन) किया है। राज्य में प्रमुख शिक्षा संस्थानों के सहयोग से ईडीआईआई का इरादा फिनटेक, एडुटेक, क्लीनटेक, हेल्थटेक, बायोटेक, आदि जैसे प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में छात्र उद्यमिता के लिए एक अनुकूल माहौल बनाना है। डॉ शुक्ल ने ईडीआईआई का मध्य प्रदेश में स्टार्टअप इकोसिस्टम को बेहतर करने के हेतु विभिन्न गतिविधिओं को साझा किया, उन्होंने कहा कि ईडीआईआई अपने 4 दशकों के अनुभव से स्टार्टअप हेतु विभिन्न कार्यक्रम करेगा, जिनमे से

प्रमुख निम्न हैं-

1. युवाओं में स्टार्टअप अवेयरनेस हेतु विभिन्न प्रोग्राम
2. स्टार्टअप की स्थापना एवं उनकी मेंटरिंग
3. वर्चुअल इन्क्यूबेशन जिसमे स्टार्टअप की लगातार देखभाल हो सके
4. जनजाति एवं दलित समुदाय हेतु कला एवं शिल्प से जुड़े हुए रोजगार के अवसर मुहैया करवाना
5. दिव्यन्जानो हेतु उधमित्ता के अवसरो पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन

मप्र में ईडीआईआई द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाएं

मध्य प्रदेश, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ मिलकर ग्रामीण उद्यमिता विकास के लिए स्टार्टअप विलेज एंट्रेप्रेंयूर्शिप कार्यक्रम (एसवीईपी) परियोजना के तहत डिंडोरी, बड़वानी, श्योपुर, शहडोल, सीधी, मंडला, बालाघाट, अलीराजपुर और झाबुआ जिलों में स्टार्ट अप विलेज कार्यक्रम लागू कर रहा है। ईडीआईआई मध्य प्रदेश में ।,500 से अधिक सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा दे चुका है। एमएसएमई के स्फूर्ति कार्यक्रम के तहत बैतूल में टेराकोटा क्लस्टर के विकास के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की गयी। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के साथ राज्य के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर पर्यटन आधारित उद्यमों के विकास के लिए सक्रिय रूप से कार्य किया जा रहा है। हैंडमेड इन इंडिया प्रोजेक्ट के अंतर्गत ईडीआईआई मध्य प्रदेश में हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देने और विभिन्न उद्यमों को विकसित करने के लिए मध्यप्रदेश के महेश्वर जनपद में कार्य कर रहा है। मध्य प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय शिक्षा बोर्ड के साथ एचपीआडीआईआई वर्ल्ड ऑन व्हील्स परियोजना के तहत काम कर रहा है और राज्य भर के छात्रों / शिक्षकों और समुदाय को डिजिटल शिक्षा / प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। परियोजना प्रबंधन सलाहकार के रूप में ग्वालियर में कालीन पार्क की स्थापना में सहयोग कर किया जा रहा है. एमएसएमई मंत्रालय के साथ मध्य प्रदेश में भोपाल और सीधी में कारीगर समूहों का सहयोग करने के लिए कार्यरत है इसके अलावा और कई अन्य अनुमोदन प्रक्रिया में भी हैं. स्किल्स फॉर जॉब्स योजना के तहत 221 आईटीआई को कवर करते हुए डीएफआईडी समर्थित परियोजना में राज्य में कुशल युवाओं के बीच उद्यमिता विकसित करने के लिए मध्य प्रदेश राज्य कौशल विकास और रोजगार सृजन बोर्ड (एमपीएसएसडीईजीबी) में उद्यमिता विकास सेल की स्थापना की है । श्यामा प्रसाद मुखर्जी, राष्ट्रीय रूर्बन मिशन के तहत राज्य तकनीकी सहायता एजेंसी के रूप में 3 चरणों में रूर्बन क्लस्टर के विकास के लिए मध्य प्रदेश राज्य के छह समूहों के लिए एकीकृत क्लस्टर कार्य योजना तैयार की गयी है।

ईडीआईआई अहमदाबाद के तरुण बेदी ने बताया कि एक्सेंचर की सीएसआर पहल के अंतर्गत प्रशिक्षण और समर्थन के माध्यम से सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के लिए महिला उद्यमियों का सहयोग किया है। अमेज़ॅन प्रशिक्षित ई-कॉमर्स विशेषज्ञ (एटीईएस) अमेज़ॅन के साथ यस बैंक के सीएसआर समर्थन के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। मप्र राय मुक्त विद्यालय शिक्षा बोर्ड भोपाल के लिए उद्यमी एवं रोजगार कौशल पर विकसित पाठ्यक्रम एवं अध्ययन सामग्री विकसित की गई है । राय हथकरघा और हस्तशिल्प निगमों के लिए राज्य के विभिन्न शिल्प क्षेत्रों के लिए आयोजित कारीगर समूहों से संबंधित अनुसंधान अध्ययन किया गया । केवीआईसी, केवीआईबी और डीटीआईसी के लिए पीएमईजीपी के तहत स्थापित 2,000 इकाइयों का मूल्यांकन और सत्यापन कार्य किया गया । डीएसटी, भारत सरकार द्वारा समर्थित एनआईएमएटी के तहत विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विज्ञान और प्रौद्योगिकी के छात्रों का प्रशिक्षण और विकास का कार्य किया गया।